an>

Title: Regarding bio-medicine production centre at Hariharpur in Gorakhpur, Uttar Pradesh.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): महोदया, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ और धन्यवाद इसलिए, क्योंकि आपने एक नई परम्परा की शुरूआत करने का कार्य किया है। अब तक अमर शहीदों का नाम लेने से भी कुछ लोग यहाँ कतराते थे, मैं उसकी गहराई में नहीं जाना चाहूँगा। यह विÂषय उनके बारे में एन.सी.ई.आर.टी. की किताबों में आया था जिन भारत माँ के अमर सपूतों को आज आपने श्रद्धाँजलि दी है।

माननीय अध्यक्ष : आपका विÂषय इससे अलग है।

श्री शरद त्रिपाठी : मैं सबसे पहले आज उनके शहादत दिवस के अवसर पर राजगुरू, सुखदेव, प्रसाद और भगत सिंह को हृदय से श्रद्धाँजलि व्यक्त करता हूँ, क्योंकि आज पूरे देश के लिए यह विÂषय था। कभी हम कहा करते थे कि "जिन वीरों ने स्वच्छंद तिरंगा भारत पर लहराया और मिली न उनको एक दिवस भी इसकी शीतल छाया।"

उसी परिप्रेक्ष्य में मैं कहना चाहूँगा कि आज डॉ0 राम मनोहर लोहिया का जन्मदिवस भी है। आदरणीया स्मृति ईरानी जी का भी जन्मदिवस है। आज ओम प्रकाश यादव जी, सांसद जी का भी जन्मदिवस है। मैं इन लोगों को बधाई देता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : क्या आपका कोई विÂषय नहीं है?

श्री शरद त्रिपाठी : महोदया, मैं क्षमा चाहता हूँ। हमारे संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत वर्ष 1989-90 में एक जैविक अनुसन्धान केन्द्र की स्थापना हुई थी, लेकिन तत्कालीन प्रदेशों के राजनीतिक तुÂिष्टकरण के कारण आज वह जैविक अनुसन्धान केन्द्र काम नहीं कर रहा है, वह निष्Âप्रयोज्य हो गया है। चूँकि भगत सिंह युवा शक्ति के प्रतीक थे, उस अनुसन्धान केन्द्र में युवाओं को रोजगार मिलेगा, तो आज मैं उनकी शहादत दिवस के अवसर पर आपसे विशेÂष रूप से अनुरोध करना चाहूँगा कि उस जैविक अनुसन्धान केन्द्र को पुनः जीवित करके और उसे भगत सिंह युवा जैविक अनुसन्धान केन्द्र का नाम देते हुए शुरू किया जाये, जिससे बेरोजगार उसमें आसानी से रोजगार पायें और उस क्षेत्र का विकास हो। बहुत-बहुत धन्यवाद।

HON. SPEAKER: S/Shri Bhairon Prasad Mishra, Chandra Prakash Joshi and Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Sharad Tripathi.